

**कौमारभृत्य** पुं. (तत्.) बालकों के लालन पालन चिकित्सा आदि की विद्या, धात्रीविद्या दाईगिरी।

**कौमारव्रत** पुं. (तत्.) जीवन भर अविवाहित रहने का संकल्प।

**कौमारी स्त्री.** (तत्.) 1. कार्तिकेय की शक्ति 2. ऐसे पुरुष की स्त्री जिसने दूसरा विवाह न किया हो 3. एक रागिनी।

**कौमार्य** पुं. (तत्.) कुमार अवस्था, कुंवारापन।

**कौमियत स्त्री.** (अर.) कौम का भाव, जातीयता, राष्ट्रीयता, जाति की विचारधारा।

**कौमी वि.** (अर.) किसी कौम या जाति संबंधी, जातीय जैसे- कौमी नारा।

**कौमीयत स्त्री.** (अर.) कौमियत, जाति का भाव, राष्ट्रीयता।

**कौमुदी** पुं. (तत्.) 1. ज्योत्स्ना, चाँदनी 2. कार्तिकोत्सव, जो कार्तिक पूर्णिमा को होता है 3. कार्तिक पूर्णिमा 4. आश्विनपूर्णिमा 5. कुमुदनी, कोई 6. दक्षिण भारत की एक नदी 7. उत्सव।

**कौमुदीपति** पुं. (तत्.) चंद्रमा।

**कौमुदीमहोत्सव** पुं. (तत्.) शरत् पूर्णिमा के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला उत्सव।

**कौर** पुं. (तद्.) 1. उतना भोजन जो एक बार मुँह में डाला जाए, ग्रास, गस्सा, निवाला मुहा. मुँह का कौर छिन जाना- जीविका का संकट होना; मुँह का कौर छिनना- देखते देखते किसी का हिस्सा हड़प लेना; कौर खाना- खा जाना।

**कौरव** पुं. (तत्.) कुरु राज की संतान, कुरु के वंशज।

**कौरवपति** पुं. (तत्.) दुर्योधन, महाभारत में धृतराष्ट्र का ज्येष्ठ पुत्र।

**कौरव्य** पुं. (तत्.) 1. कौरव, कुरु संतान 2. एक नगर जिसका वर्णन महाभारत में आया है।

**कौल** पुं. (अर.) 1. प्रतिज्ञा, प्रण, वादा 2. कथन, उक्ति, वाक्य मुहा. कौल का पूरा या पक्का- बात का सच्चा, जबान का धनी; कौल तोड़ना- किसी को

दी हुई जबान से मुकरना; कौल देना- वचन देना; कौल से फिरना- वादा खिलाफी करना पुं. (तत्.)

1. कुल विषयक 2. कुलीन 3. पैतृक।

**कौल करार** पुं. (अर.) परस्पर दृढ़ प्रतिज्ञा।

**कौलाचार** पुं. (तत्.) कौल संप्रदाय का आचार, वाममार्ग।

**कौवा** पुं. (तद्.) 1. काले रंग का एक प्रसिद्ध पक्षी, काक, काग 2. बहुत धूर्त मनुष्य, काइयाँ 3. वह लकड़ी जो बड़ेरी से सहारे के लिए लगाई जाती है, कौहा 4. गले के अंदर तालू के झालर के बीच चटकता हुआ मांस का टुकड़ा। घाटी, लंगर, ललरी।

**कौवा गुहार** पुं. (तद्.+देश.) बहुत अधिक बकबक, बहुत जोर से और व्यर्थ बोलना, कागारोल मुहा. कौवा गुहार में पड़ना या फँसना- शोर में फँसना; कौवे उड़ाना- व्यर्थ का अनावश्यक कार्य करना।

**कौवारोर** पुं. (तद्.) कौवा की काँव-काँव, बहुत शोर, कौवा गुहार।

**कौवाल** पुं. (अर.) कव्वाल, मुसलमानों में गवैयों का एक वर्ग जो कव्वाली गाते हैं।

**कौवाली स्त्री.** (अर.) एक प्रकार का गाना जो पीरों की मजार या सूफियों की मजलिसों में गाया जाता है, कव्वाली; इस धुन में गाई जानेवाली गजलें 3. संगीत में तिताला बजाने का एक भेद।

**कौविंदी स्त्री.** (तत्.) जुलाहे की स्त्री।

**कौश वि.** (तत्.) 1. रेशमी 2. कुश-निर्मित। पुं. (तत्.) 1. कुशद्वीप 2. कान्यकुब्ज देश।

**कौशल** पुं. (तत्.) 1. कुशलता, चतुराई 2. मंगल 3. कौशल देश का निवासी।

**कौशलिक** पुं. (तत्.) उत्कोच, रिश्वत, घूस।

**कौशलिका स्त्री.** (तत्.) 1. उपहार 2. कुशल मंगल।

**कौशल्य स्त्री.** (तत्.) 1. कौशल के राजा दशरथ की प्रधान पत्नी और रामचंद्र की माता 2. पुरुराज